



पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय चित्तरंजन

PM SHRI KENDRIYA VIDYALAYA CHITTARANJAN

अभिव्यंजना



विद्यालय पत्रिका २०२५-२०२६

Vidyalaya Patrika 2025-26

TOPPERS PHOTOGRAPHS

DIAMONDS OF PM SHRI



KV CHITTARANJAN



CBSE XII RESULTS : 2024-25

SHINING STARS (SCIENCE STREAM)



SANTANU PAL

95.2%



**SHIWAM
KUMAR SINGH**

93%



**PADDANA
BHARGAVI**

84.4%

SHINING STARS (HUMANITIES STREAM)



SUMAN KUMARI

91.2%



**BISHNU
MANDAL**

88.2%



**SNEAHA
CHOWDHARY**

86.4%

TOPPERS PHOTOGRAPHS

DIAMONDS OF PM SHRI KV CHITTARANJAN

CBSE RESULTS: 2024-25

SHINING STARS OF CLASS X



**AASHI ANJALI
ACHARYA**
94%



SUPRIYA BHARTI
91.8%



ANIKET DAS
91.6%



**KUMARI
HIMANSHI**
91.6%

Editorial Board

Chief Patron

Mr.Y.Arun Kumar
Deputy Commissioner
KVS RO Kolkata

Patron

Mrs.Tek Dharni
Principal

Editor-in-Chief

Mrs. Sudeshna Kar Sarkhel
PGT (English)

Editors

English

Ms.Shriya Nandi
TGT (English)
Mr. Brijesh Bhattacharjee
TGT (English)

Hindi

Mr. Rajnesh Verma
TGT (Hindi)

Sanskrit

Mr. Srikanto Dutta
TGT (Sanskrit)

Front Cover Design

Made by: Annweshha Goswami (VIII B)

Designing & Composing

Mr. Kaushik Mazumdar - (C.I.)

MESSAGES



Deputy Commissioner KVS
(RO) Kolkata

संदेश

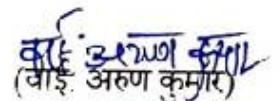
अत्यंत हर्ष का विषय है कि पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय, चित्तरंजन शैक्षिक सत्र: 2025-26 के लिए अपनी वार्षिक विद्यालय पत्रिका का नवीन संस्करण प्रकाशित करने जा रहा है।

एक विद्यालय पत्रिका केवल कागज का संकलन नहीं होती, बल्कि यह हमारे छात्रों की रचनात्मकता, मौलिकता और उनकी सूक्ष्म भावनाओं का दर्पण होती है। यह विद्यार्थियों को अपने विचारों को शब्दों में पिरोने और अपनी छिपी हुई प्रतिभा को प्रदर्शित करने के लिए एक सशक्त मंच प्रदान करती है।

आज के इस प्रतिस्पर्धी और बदलते दौर में केवल शैक्षणिक ज्ञान पर्याप्त नहीं है। शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य चरित्र निर्माण और सर्वांगीण विकास होना चाहिए। मुझे विश्वास है कि यह विद्यालय विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों, अनुशासन और जिज्ञासु प्रवृत्ति को विकसित करने की अपनी दिशा में निरंतर अग्रसर है।

मैं इस पत्रिका के सफल प्रकाशन के लिए विद्यालय के प्राचार्य, संपादक मंडल, शिक्षकों और उन सभी छात्रों को हार्दिक बधाई देता हूँ, जिन्होंने अपनी रचनाओं के माध्यम से इसमें बहुमूल्य योगदान दिया है। मैं सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल और सफल भविष्य की कामना करता हूँ।

“शिक्षा केवल भविष्य की तैयारी नहीं है, बल्कि स्वयं में एक सुंदर जीवन जीने की कला है”


(वॉई. अरुण कुमार)

उपायुक्त

केंद्रीय विद्यालय संगठन,
कोलकाता संभाग



MESSAGE FROM ASSISTANT COMMISSIONER

I am happy to know that Kendriya Vidyalaya Chittaranjan is publishing its Vidyalaya Patrika. School Magazine is the face of the school. It is an integral part of the education system. It encourages students to think and write. In fact, it provides a platform to our budding talented students to unfold their linguistic as well as artistic creativity. The school's academic excellence along with involvement in co-curricular activities is discernible.

The magazine also records the achievements and various activities of the vidyalaya. I hope that this publication would be successful in achieving these objectives.

My best wishes to our talented students, the dedicated editorial board, the Principal and the entire school community for their endeavour.

MR. CHINTAPALLI VIJAYA RATNAM
ASSISTANT COMMISSIONER
KVS R.O. KOLKATA



अनिल कुमार गुप्ता
महाप्रबंधक
Anil Kumar Gupta
GENERAL MANAGER



चित्तरंजन रेलइंजन कारखाना
Chittaranjan Locomotive Works
चित्तरंजन- 713331 (पश्चिमबंगाल)
Chittaranjan - 713 331 (West Bengal)
फोनPhone : + 91 341 2525500
फैक्सFax : + 91 341 2525641



संदेश

“शिक्षा सबसे शक्तिशाली हथियार है, जिसका उपयोग आप दुनिया को बदलने के लिए कर सकते हैं।” - *नेल्सन मंडेला*

यह अत्यंत प्रसन्नता का विषय है कि हमारे स्कूल की वार्षिक पत्रिका का नया संस्करण प्रकाशित होने जा रहा है। विद्यालय पत्रिका केवल लेखों का संग्रह नहीं है, बल्कि यह हमारे छात्रों की रचनात्मकता, नवाचार और मौलिक विचारों का एक प्रतिबिंब है।

मेरा मानना है कि शिक्षा का उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान प्राप्त करना नहीं, बल्कि एक जिम्मेदार और संवेदनशील नागरिक बनना भी है। प्रिय छात्रों, आप भविष्य के निर्माता हैं। अपनी जिज्ञासा को कभी कम न होने दें और निरंतर सीखने की प्रवृत्ति बनाए रखें।

मैं पत्रिका के सफल प्रकाशन के लिए संपादक मंडल, शिक्षकों और सभी छात्रों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ। मुझे विश्वास है कि यह पत्रिका पाठकों को प्रेरित करेगी।


(अनिल कुमार गुप्ता)

महाप्रबंधक
चिरेका, चित्तरंजन



From Principal's Desk

Telling this, it is a feeling of joy that the new edition of our school's annual magazine is going to be published. The school magazine is a living proof of our students' imagination, their intellectual and unique talent and development.

The real objective of education is not just to attain literacy, but character building and the all-round development of personality. The school is a nursery where we shape the responsible citizens of the future. Dear students, there is no shortcut to success in life; hard work, discipline, and unwavering faith are the keys to your success.

I congratulate all the students who have enriched this magazine through their articles, poems, and artworks. At the same time, I also appreciate the efforts of the editorial board and teachers who have made this publication successful.

Mrs. Tek Dharni
PRINCIPAL

EDITORIAL

Our school magazine is a platform to showcase the talents and achievements of our diverse student body. Within these pages, you will find written pieces, artwork, and photography that reflect the passions and perspectives of our community. This publication is a testament to the dedication and creativity of our students, as well as the guidance of our faculty advisors. As you flip through the magazine, we hope you will be inspired by the remarkable work of your peers and gain a deeper appreciation for the vibrant culture of our school. Enjoy!

SMT. SUDESHNA KAR SARKHEL
PGT (ENGLISH)

PHOTOGRAPHS



DC SIR'S VISIT ON 24.04.2025



ADVANCED COURSE FOR FLOCK LEADERS



UNDER 19 CRICKET



INVESTITURE CEREMONY



ACADEMIC PANEL INSPECTION



ROAD SAFETY DRIVE



INTERNATIONAL YOGA DAY



ADVANCE COURSE FOR FLOCK LEADERS



VMC MEETING



WATER CONSERVATION WEEK CELEBRATION



ANNUAL DAY CELEBRATION



ANNUAL DAY CELEBRATION



INDEPENDENCE DAY



EXCURSION



REPUBLIC DAY CELEBRATION



ANNUAL PANEL INSPECTION



ANNUAL SPORTS DAY CELEBRATION

हिन्दी – अनुभाग



पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय चित्तरंजन

NEP 2020(नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति2020)

NEP 2020 की मुख्य योजनाएँ

1. विद्यालय प्रवेश आयु
2. निपुण भारत मिशन
3. FLN
4. बाल वाटिका
5. विद्या प्रवेश
6. कौशल विकास
7. पीएम श्री

केंद्रीय विद्यालय चित्तरंजन में उपरोक्त योजनाओं का क्रियान्वयन:

- 1 **विद्यालय प्रवेश आयु** : हमारा विद्यालय कक्षा प्रथम में प्रवेश के लिए न्यूनतम आयु 6 वर्ष का पालन कर रहा है।
- 2 **निपुण भारत मिशन** : नई शिक्षा नीति 2020 विद्यार्थियों की प्रगति पर नजर रखता है, जिसके अंतर्गत [हमारे विद्यालय में लक्ष्य] हमारे विद्यालय में लक्ष्य अथवा सीखने की परिणाम को वर्ग अनुसार सूची बनाई जाती है तथा इन्हें अभिभावकों के साथ भी साझा किया जाता है, एवं बच्चों की प्रगति को विद्यालय रिकॉर्ड तथा पीआईएमएस (PIMS) में अपडेट किया जाता है।
- 3 **FLN**: NEP 2020 में आधारभूत साक्षरता एवं संख्यात्मक कौशल का उल्लेख है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए हमारे विद्यालय में कक्षा 1 से 3 तक के विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रकार के शिक्षण अधिगम से संबंधित शैक्षिक बदलाव किए जा रहे हैं जिसका मुख्य उद्देश्य है ,प्रत्येक छात्र अपनी गति के अनुसार समझ के साथ पढ़ने लिखने एवं संख्यात्मक कौशल का विकास कर सके।
- 4 **बाल वाटिका**: नई शिक्षा नीति 2020 में बाल वाटिका प्रथम में 3 वर्ष से 4 वर्ष आयु, द्वितीय में 4 वर्ष से 5 वर्ष आयु, तृतीय में 5 वर्ष से 6 वर्ष आयु का उल्लेख है।सत्र 2023 _24 में केवीएस ने 540 केन्द्रीय विद्यालयों में बाल वाटिका का शुभारंभ किया है।
- 5 . **विद्या प्रवेश** : NEP 2020 में विद्या प्रवेश योजना का प्रावधान है जिसमें हमारा विद्यालय कक्षा प्रथम के छात्रों के प्रवेश के बाद तुरंत ही सिलेबस पर फोकस नहीं करता है, बल्कि सर्वप्रथम छात्रों का अभिभावकों के साथ ओरिएंटेशन कार्यक्रम होता है एवं पहले दिन बच्चों का भी धूमधाम से विद्यालय में स्वागत किया जाता है, ताकि बच्चे विद्यालय से डरें नहीं और विद्यालय माहौल में ढल जाए इस कार्यक्रम के तहत विद्यालय में तीन महीने तक पुस्तक से परे विभिन्न गतिविधियां जैसे खिलौना आधारित शिक्षा ,अनुभव आधारित शिक्षा ,करके सीखना ,कहानी के माध्यम से सीखना आदि क्रियाकलाप कराये जाते हैं।
- 6 . **कौशल विकास योजना** :NEP 2020 में शिक्षण अधिगम के साथ कौशल विकास योजना का भी प्रावधान है जिसके अंतर्गत हमारा विद्यालय बागवानी ,POTTERY कंप्यूटर शिक्षा एवं कला से संबंधित शिक्षा देता है।

मेरे सपनों का भारत



रजनीश वर्मा
प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक, हिंदी
पी एम श्री केन्द्रीय विद्यालय चित्तरंजन

मेरा सपना है, कि भारत एक ऐसा देश बने जहाँ हर नागरिक को समान अधिकार और अवसर मिले। शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार हर व्यक्ति तक पहुँचे। गाँव और शहर के बीच की दूरी मिटे, और हर जगह आधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध हों।

मेरे सपनों का भारत भ्रष्टाचार और भेदभाव से मुक्त होगा। यहाँ जाति, धर्म और भाषा के आधार पर कोई विभाजन नहीं होगा। सभी लोग एक-दूसरे का सम्मान करेंगे और भाईचारे के साथ रहेंगे।

भारत की युवा शक्ति विज्ञान, तकनीक और नवाचार में दुनिया का नेतृत्व करेगी। किसान समृद्ध होंगे, और उनकी मेहनत का उचित मूल्य मिलेगा। महिलाएँ सुरक्षित होंगी और समाज के हर क्षेत्र में बराबरी से भाग लेंगी।

पर्यावरण की रक्षा मेरे सपनों के भारत की सबसे बड़ी प्राथमिकता होगी। स्वच्छ नदियाँ, हरियाली से भरे जंगल और प्रदूषण-मुक्त शहर इस देश की पहचान होंगे।

अंततः, मेरा सपना है कि भारत विश्व में शांति, सहयोग और मानवता का संदेश फैलाए। ऐसा भारत जहाँ हर नागरिक गर्व से कह सके – “मेरा देश महान है।”



..***कलाम की कलम से***..

पहली असली कमाई

जब ईश्वर कठिन चुनौतियां देता है, तो उसका समाधान भी देता है। बस हमें उसे पहचानकर अपने जीवन में शामिल करना पड़ता है....जाने क्यों अंग्रेजी सरकार ने उन रेलगाड़ियों को रामेश्वरम में ठहरने से रोक लगा दी, जो हमेशा उस स्टेशन पर ठहरती थीं। उन रेलों से बहुत लोगों का रोजगार जुड़ा हुआ था। वे सब उससे बहुत प्रभावित हुए, उन्हीं लोगों में कलाम के चचेरे भाई शमसुद्दीन भी शामिल थे। वे अखबार विक्रेता थे। वे अखबार लेते और उसे रामेश्वरम में उतारते और फिर शहर में बेचा करते। अब स्थानीय स्टेशन पर गाड़ी नहीं रुकने से परेशानी पैदा हो गई। पर उन्हें अपनी समस्या का रचनात्मक हल मिल गया। वे कलाम को बुलाकर उनकी मदद लेनी चाही और बोले...क्या तुम कुछ पैसा कमाना चाहोगे?

कलाम यह सुनकर प्रसन्न हुए। वे अपने परिवार की मदद करना चाहते थे। शमसुद्दीन बोले देखो स्थानीय स्टेशन पर गाड़ी नहीं रुक रही है .. जी मैं जानता हूं इसी कारण मेरा अखबार बेचने का धंधा खराब हो रहा है। आप उन्हें चलती गाड़ी से फेंक सकते हैं कलाम ने कहा। मैंने भी यही सोचा था पर जब तक मैं धनुषकोटी से वापस आऊंगा तब तक दोपहर हो जाएगी , और कोई भी बासी अखबार नहीं खरीदता। शमसुद्दीन ने कहा। मैं क्या कर सकता हूं.. कलाम ने पूछा। बस तुम्हें उन अखबारों को स्टेशन से उठाकर पाठकों के घर तक पहुंचना है। कलाम को यह काम पसंद आया। पैसे तो मिले ही इसके अलावे उन्हें एक और लाभ हुआ। अखबार उनके लिए आकर्षण का केंद्र बन गया। अक्सर वे बचे हुए अखबारों को पढ़ने लगे। भाषा अच्छी तरह से नहीं आती थी। पर वे चित्रों को देखकर बहुत कुछ समझ लेते थे। धीरे-धीरे देश और दुनिया के बारे में उनका ज्ञान बढ़ने लगा।

संकलनकर्ता

आरव गुप्ता कक्षा 5A

कहानी.....जीवन की सकारात्मक सोच

एक समय की बात है। किसी नगर में ऐसी प्रथा थी, कि उस नगर का जो भी राजा बनता था। उसका कार्यकाल केवल एक वर्ष का होता था, और एक वर्ष पूरा होते ही उसे गद्दी से उतार दिया जाता था, और नदी पार वाले घने जंगल में अकेले छोड़ दिया जाता था। वर्ष दर वर्ष ऐसी प्रथा चली आ रही थी। इस वर्ष ग्रामीण क्षेत्र का रहने वाला सीधा- साधा लेकिन बुद्धिमान रामू को राजगद्दी मिली गद्दी पर बैठते ही उसने अपने मंत्री से पूछा कि यह गद्दी कितने दिनों के लिए है उसके मंत्री ने कहा महाराज.. एक वर्ष पूरा होते ही आपकी गद्दी छीन ली जाएगी और आपके राजसी वस्त्र उतार लिए जाएंगे, धन संपत्ति ले ली जाएगी और नदी पर के उस वन में अकेले छोड़ दिया जाएगा। यह सुनकर रामू पहले घबराया परंतु तुरंत उसने अपने मन में सोचा कि एक वर्ष बहुत होता है। उसने अपने कर्मचारियों को तत्काल आदेश दिया, कि नदी पर एक पुल बनाओ और उस पर के जंगल को काटकर उसे सुंदर उपवन नगर में बदल डालो। महाराज का आदेश पाते ही कर्मचारी तत्परता से कार्य करने लगे और वन को एक सुंदर नगर में बदल दिया। एक वर्ष बीत जाने पर रामू को नदी के पर छोड़ दिया गया। जहां रामू अपना शेष जीवन सुखपूर्वक व्यतीत करने लगा।

शिक्षा: (मनुष्य को समय बेकार गवाने के बजाय भविष्य की योजनाओं के लिए अच्छा कार्य करना चाहिए।)

. सुविचार*****

सिक्के हमेशा आवाज करते हैं, कागज के नोट नहीं...

ऐसे ही जब तुम्हारी कीमत बढ़े, शांत रहना सीखो।

हर इंसान अपनी जुबान के पीछे छुपा हुआ है,

अगर उसे समझना है, तो उसे बोलने दो।

सच्चाई और अच्छाई की तलाश में पूरी दुनियां घूम लें,

अगर ये हमारे अंदर नहीं है तो कहीं नहीं है।

ईश्वर में आस्था है तो उलझनों में भी रास्ता है।

आरव गुप्ता (कक्षा 5A)

विज्ञान और प्रौद्योगिकी: मानवता की प्रगति का सूत्र

विज्ञान और प्रौद्योगिकी ने मानवता के विकास में एक अभूतपूर्व योगदान दिया है। इन दोनों के क्षेत्र में किए गए नवाचारों ने हमारे जीवन को न केवल सुविधाजनक बल्कि अधिक सुरक्षित और समृद्ध भी बनाया है। विज्ञान ने हमें ब्रह्मांड की गहराईयों तक पहुंचने की क्षमता दी है। अंतरिक्ष अन्वेषण, परमाणु ऊर्जा, और चिकित्सा क्षेत्र में हुए विकास ने हमारी समझ को और भी विस्तृत किया है। इसके साथ ही, प्रौद्योगिकी ने हमारे रोजमर्रा के जीवन को नई दिशा दी है।

मोबाइल फोन, इंटरनेट, और कंप्यूटर जैसे उपकरणों ने संचार के माध्यम को पूरी तरह से बदल दिया है। इन उपकरणों की मदद से हम अब दुनिया के किसी भी कोने से किसी भी समय जानकारी साझा कर सकते हैं। चिकित्सा के क्षेत्र में विज्ञान और प्रौद्योगिकी ने नई दवाओं और उपचार पद्धतियों का विकास किया है, जिससे लाखों लोगों की जानें बचाई जा रही हैं।

इसके अलावा, कृषि क्षेत्र में भी विज्ञान ने नई तकनीकों का विकास किया है, जिनकी मदद से अधिक उत्पादन और बेहतर गुणवत्ता प्राप्त की जा रही है। हालांकि, इन दोनों क्षेत्रों का सही और जिम्मेदार उपयोग जरूरी है। अनियंत्रित उपयोग से पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है और यह समाज में असमानताएं उत्पन्न कर सकता है।

इसलिए, विज्ञान और प्रौद्योगिकी का विकास हमारी जिम्मेदारी है, ताकि हम इसका सही उपयोग करके मानवता के कल्याण में योगदान कर सकें।

NAME : SONAL KUMARI

CLASS : VII / B

ROLL NO.: 34

मेरा जम्बूरी शिविर

पिछले साल दिसंबर में, मुझे डायमंड जुबली जम्बूरी कैंप में शामिल होने का मौका मिला और यह मेरे जीवन के सबसे यादगार अनुभवों में से एक था। यह कैंप दमदम के पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय में आयोजित किया गया था, जो शहर के व्यस्त परिवेश के बावजूद एक शांत और अध्ययनशील स्कूल था। हमारे पहुँचते ही, सभी प्रतिभागियों में उत्साह और रोमांच का भाव था।

हमने अपने कैंप की शुरुआत उसी रात ध्वजारोहण के साथ की, जिसके बाद आगामी दो दिवसीय कैंप की जानकारी दी गई। दूसरे स्कूलों के रूममेट्स के साथ रातें पहले से ही व्यस्त रहती थीं और जैसे ही दिन निकलता, हम काम पर लग जाते। पूरे कैंप के दौरान, हमारी रुचि के अनुसार विभिन्न क्षेत्रों में हमारी परीक्षा ली गई। इनमें कैंप क्राफ्ट, क्राफ्टिंग, पेंटिंग और यहाँ तक कि हमारे अपने अनोखे कौशल भी शामिल थे। मेरा सबसे पसंदीदा क्राफ्ट और पेंटिंग वाला था, जो मुझे सबसे ज्यादा पसंद आया। मेरी सुलेख कला की भी सराहना की गई। कैंप फायर नाइट सबसे खास रही। हमने गाने गाए, कहानियाँ साझा कीं, नाटक प्रस्तुत किए और तारों भरे आसमान के नीचे आग की गर्माहट का आनंद लिया। इससे हम सभी एक-दूसरे के करीब आए और एकता की गहरी भावना पैदा हुई।

अगर स्कूल की बात करें, तो यह एक अच्छा स्कूल और एक अद्भुत अनुभव था। कक्षाएँ रोशन थीं, शिक्षक मिलनसार थे, और छात्र बहुत स्वागतशील थे।

कुल मिलाकर, जम्बूरी कैंप ने मुझे साहस, सहयोग और ज़िम्मेदारी सिखाई। यह सिर्फ एक बाहरी साहसिक कार्य नहीं था, बल्कि जीवन का एक अनमोल सबक था जिसे मैं हमेशा संजो कर रखूँगा। मैं नए कौशल, शानदार यादें और स्थायी दोस्ती लेकर घर लौटा।

❀ माँ ❀

माँ तेरी ममता है सागर सी गहरी,
तेरे बिना दुनिया मुझे लगे सूनी, अकेली ।
तेरी गोद में मिलता है चैन अपार,
तेरे आशीष से बनते सब काम साकार।
माँ तू है जीवन का उजियारा,
सुख-दुख में देती तू ही सहारा।

तेरी हँसी से जीवन महक उठे,
तू है तो हर मुश्किल आसान बने ।
माँ तू है धरती का सबसे बड़ा धन,
तेरे चरणों में छुपा है सारा गगन।
तू ही पूजा, तू ही अराधना,
तेरे बिना जीवन है व्यर्थ।

(अकांक्षा गुप्ता कक्षा 7अ)

पुस्तकों की दुनिया

पुस्तकें मेरे लिए एक दुनिया हैं,
जहां ज्ञान और कल्पना का संगम है।
पन्नों की सुगंध और शब्दों की मिठास,
मेरे मन को हमेशा आकर्षित करती है।

पुस्तकें मेरे मार्गदर्शक हैं,
जो मुझे जीवन के हर पहलू को सिखाती हैं।
विज्ञान, कला, साहित्य और इतिहास,
हर विषय में पुस्तकें मेरी सहायक हैं।

पुस्तकें मेरे साथी हैं,
जो मुझे अकेलेपन में भी साथ देती हैं।
जब मैं उदास होता हूँ, पुस्तकें मुझे हिम्मत देती हैं,
और जब मैं खुश होता हूँ, पुस्तकें मेरी खुशी को और बढ़ाती हैं।

परी कुमारी
कक्षा तीसरी अ

स्वस्थ जीवन

स्वस्थ जीवन एक ऐसा जीवन है जिसमें शरीर, मन और आत्मा तीनों का संतुलन हो। स्वस्थ जीवनशैली बनाने के लिए सही खानपान, नियमित व्यायाम, स्वच्छता, मानसिक शांति, सकारात्मक सोच और पर्याप्त नींद जरूरी हैं। यह जीवन की सबसे बड़ी पूँजी है क्योंकि स्वास्थ्य के बिना जीवन का कोई मूल्य नहीं होता। स्वस्थ जीवन का महत्व

स्वास्थ्य ही जीवन है। अच्छा स्वास्थ्य होने पर ही हम अपने कार्यों को पूरी ऊर्जा और उत्साह के साथ कर पाते हैं। एक स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मन निवास करता है, जो खुशी, शांति और सफलता की कुंजी है। बिना अच्छे स्वास्थ्य के जीवन के सारे सुख अधूरे हैं। इसलिए स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए।

स्वस्थ जीवनशैली के तत्व

संतुलित आहार: पौष्टिक, ताजी और संतुलित भोजन लेना चाहिए जिसमें सभी आवश्यक पोषक तत्व हों।
नियमित व्यायाम: दिनचर्या में योग, व्यायाम या टहलना शामिल करें जिससे शरीर सक्रिय और चुस्त बना रहे।

पर्याप्त नींद: अच्छी सेहत के लिए 7-8 घंटे की नींद आवश्यक है जिससे शरीर और मस्तिष्क तरोताजा रहते हैं।

आवश्यक है जिससे शरीर और मस्तिष्क तरोताजा रहते हैं।

तनाव प्रबंधन: ध्यान, योग और सकारात्मक सोच से तनाव को कम करना चाहिए। स्वच्छता: साफ-सफाई का ध्यान रखें जिससे रोगों से बचाव हो सके। स्वस्थ जीवन के उपाय |

सुबह-शाम खुली हवा में टहलें ।

तम्बाकू, शराब और धूम्रपान जैसी बुरी आदतों से बचें।

परिवार और मित्रों के साथ समय बिताएं जिससे मानसिक स्वास्थ्य अच्छा बना रहे। शरीर के संकेतों को समझें और रोग होने पर समय पर इलाज करवाएं। स्वस्थ जीवन जीना न केवल हमारे लिए बल्कि समाज और परिवार के लिए भी एक वरदान है। इसे पाने के लिए अनुशासन, लगन और सही आदतों को जीवन में अपनाना आवश्यक है। इस प्रकार स्वस्थ जीवनशैली से हम कर सके तो जीवन को सुखमय, सुंदर और सफल बना सकते हैं।

मेरे दादा जी मेरे हीरो

मेरे दादा जी, मेरे हीरो हैं,
उन्होंने मुझे जीवन के हर पहलू को सिखाया है।
उनकी दयालुता और प्रेम से भरी मुस्कान,
मेरे दिल को हमेशा खुशी से भर देती है।

उनकी कहानियों में जीवन का अनुभव है,
जो मुझे सही और गलत के बीच का फर्क सिखाता है।
उनकी सलाह और मार्गदर्शन से,
मैं अपने जीवन के हर पड़ाव पर आगे बढ़ता हूँ।

मेरे दादा जी, मेरे लिए एक आदर्श हैं,
जिनकी निष्ठा और मेहनत मुझे प्रेरित करती है।
उनके साथ बिताए पल,
मेरे जीवन के सबसे खूबसूरत पल हैं।

मैं अपने दादा जी को दिल से धन्यवाद देता हूँ,
जो मेरे जीवन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
उनका प्रेम और समर्थन मुझे हमेशा आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है,
और मैं उनके साथ बिताए हर पल को संजो कर रखता हूँ।

ऋषभ राज (कक्षा - 3 अ)

प्रकृति का गीत

सुबह की किरणें सोना लाएँ,
धरती पर उजियारा छाएँ।
पंछी गाएँ मधुर तराने,
खुशियाँ भरे सभी ठिकाने।

नदियाँ बहें मधुर संगीत,
लहरों में छिपा है प्रीत।
पहाड़ खड़े अडिग, महान,
सहते आँधियाँ और तूफ़ान।

फूल खिले रंगों की शान,
महक से महके हर जहान।
मंद हवा जब बहकर आए,
मन में सुख की लहरियाँ छाए।

सांझ ढले जब सूरज ढलता,
आकाश तारे जगमग चलता।
चाँदनी फैले चुपके-चुपके,
सपनों की डोरी बाँधे झटके।

(Arnab Sharma)

कामयाबी

असफलता एक चुनौती है,

उसे स्वीकार कर।

अपने खंजर से उस पर वार कर

अपनी खुबियों को ढूँढ अपनी खमियों से लड़।

अपनी खुबियों को ढूँढ अपनी खमियों से लड़।

जीत की खुशी नहार का गम मना

जो हो गया, उसे भूल जा और तू आगे बढ़।

जो हो गया, उसे भूल जा और तू आगे बढ़।

है अगर तुझमें जीत का जुनून तो असफलता क्या रोकेगी

क्या जोश है तुझमें बुलंद

है जोश अगर तुझमें बुलंद

तो कोई क्या कर पाएगा

तू दुनिया को छोड़ तू खुद में तलाश कर तू अपने

खुबियों को पहचानो उसे बाहर निकल

तू अपने लक्ष्य को निखार

लोग तो कहेंगे ये कि तू कुछ न कर पाएगा

लोग तो कहेंगे ये कि तू कुछ न कर पाएगा

तो लोगो की बात सुनकर

तू ऐसे ही रह जाएगा

वक्त है ऐसी बला फिर न आएगी कभी

वक्त को लफ़्जों में क्या तू बयान कर पाएगा

असफलता एक चुनौती है

उसे स्वीकार कर

By - Sonam Kumari

8A

काश ! लौट आए बचपन।

जब बचपन था तब जवानी एक सपना थी,
जब जवान हुए तब बचपन एक ज़माना हुआ ।
जब घर में रहते थे तो आजादी अच्छी लगती थी,
आज आजादी है फिर भी घर जाने कि जल्दी है।

कभी होटल में जाना, पिज्जा बर्गर खाना पसंद था,
आज घर पर आना और माँ के हाथ का खाना पसंद है।
स्कूल में जिन दोस्तों के साथ झगड़ते थे,
आज उनको इंटरनेट पर तलाशते हैं ।

खुशी किसमें होती है ये अब पता चला है,
बचपन क्या था, ये अहसास अब हुआ है ।
काश ! बदल सकते हम ज़िन्दगी के कुछ साल,
काश ! जी सकते हम बचपन फिर एक बार ।

अविका रजक

दसवीं अ

अनुक्रमांक: 11

शिक्षक: एक मार्गदर्शक, आदर्श और संरक्षक – व्यक्तित्व निर्माण के स्तंभ

"गुरु गोविंद दोऊ खड़े, काके लागू पाय,
बलिहारी गुरु आपनो, गोविंद दियो बताय।"

एक शिक्षक वह दीपक है जो स्वयं जलकर अपने विद्यार्थियों के जीवन को आलोकित करता है। शिक्षक सिर्फ पाठ नहीं पढ़ाता, वह जीवन जीने की कला सिखाता है। वह न केवल ज्ञान देता है, बल्कि छात्रों की सोच, चरित्र और व्यक्तित्व को गढ़ता है।

1. मार्गदर्शक – जीवन की राह दिखाने वाला

जब छात्र जीवन के चौराहों पर खड़े होते हैं, भ्रम और असमंजस से घिरे होते हैं, तब एक शिक्षक उन्हें दिशा दिखाता है। वह उनके सपनों को आकार देता है और यह विश्वास जगाता है कि "तुम कर सकते हो।"

"अंधेरो में भी रोशनी की किरण बन जाता है,
जब कोई रास्ता न हो — तो गुरु रास्ता बन जाता है।"

शिक्षक का मार्गदर्शन ही वह नींव है जिस पर मजबूत भविष्य खड़ा होता है।

2. आदर्श – जिसकी छाया में संस्कार पलते हैं

शब्दों से कहीं अधिक, शिक्षक का आचरण छात्रों पर प्रभाव डालता है। वह स्वयं एक जीवित पाठ्यपुस्तक होता है — उसकी ईमानदारी, समयनिष्ठा, व्यवहार, और विचार ही छात्रों को जीवन जीने की प्रेरणा देते हैं।

"बोलता कम है, पर समझा बहुत जाता है,
शिक्षक का जीवन ही उसका सबसे बड़ा पाठ होता है।"

एक आदर्श शिक्षक छात्रों को यह नहीं बताता कि क्या करना है, बल्कि वह स्वयं करके दिखाता है कि कैसे करना है।

3. संरक्षक – जो हर परिस्थिति में साथ खड़ा होता है

जब दुनिया ठुकराती है, असफलताएँ डराती हैं और मनोबल टूटता है — तब एक सच्चा शिक्षक अपने छात्र का मनोबल बन जाता है। वह उनकी भावनात्मक, मानसिक और सामाजिक सुरक्षा का कवच बनता है।

"गुरु केवल पाठ नहीं पढ़ाता,
वह आँसू भी पहचान लेता है।
जो सबने अनदेखा किया,
उस प्रतिभा को गुरु ही जान लेता है।"
शिक्षक का स्पर्श मात्र छात्रों को यह एहसास दिला देता है कि "मैं अकेला नहीं हूँ।"

"माँ-बाप ने जन्म दिया, पर जीना सिखाया शिक्षक ने,
सपनों को उड़ान दी, हौसला दिलाया शिक्षक ने।

हर हार में छुपा संदेश बताया,
हर चुप्पी में छिपा दर्द समझाया।
जीवन की जो सबसे कठिन पहेली थी,
मुस्कुराकर उसे सुलझाया शिक्षक ने।"

निष्कर्ष:

शिक्षक केवल एक पेशा नहीं, यह एक दायित्व है — चरित्र निर्माण का, नेतृत्व के विकास का और समाज की दिशा निर्धारण का। एक अच्छा शिक्षक न केवल किताबी ज्ञान देता है, बल्कि एक मजबूत सोच, आत्मविश्वास और मूल्य प्रणाली का निर्माण करता है।

"यदि एक बच्चा सफल होता है,
तो उसके पीछे कहीं न कहीं एक शिक्षक होता है।"

"शिक्षक वो बीज है,
जो खुद मिट्टी में गुम होकर भी पेड़ बनकर दुनिया को छांव देता है।"

अंत में...

"गुरु है ज्ञान का स्रोत,
गुरु है जीवन का पथप्रदर्शक।
वह न हो तो दीप बुझे रह जाते हैं,
और सपनों के आकाश अधूरे रह जाते हैं।

द्वारा - निकिता तिवारी

पुस्तकों की दुनिया

पुस्तकें मेरे लिए एक दुनिया हैं,
जहां ज्ञान और कल्पना का संगम है।
पन्नों की सुगंध और शब्दों की मिठास,
मेरे मन को हमेशा आकर्षित करती है।

पुस्तकें मेरे मार्गदर्शक हैं,
जो मुझे जीवन के हर पहलू को सिखाती हैं।
विज्ञान, कला, साहित्य और इतिहास,
हर विषय में पुस्तकें मेरी सहायक हैं।

पुस्तकें मेरे साथी हैं,
जो मुझे अकेलेपन में भी साथ देती हैं।
जब मैं उदास होता हूँ, पुस्तकें मुझे हिम्मत देती हैं,
और जब मैं खुश होता हूँ, पुस्तकें मेरी खुशी को और बढ़ाती हैं।

परी कुमारी

कक्षा तीसरी अ

राष्ट्रीय एकता

भारत देश हमारा है,
यह हमको जान से प्यारा है,
रहते इसमें हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई
नहीं करनी हमको आपस में कोई लड़ाई

मिल जुल कर हम सबको रहना है
अपनी एकता का ताकत सब को दिखाना है
भारत देश के वीर जवानों ने अपनी खून से सींचा है
हम सबको उसमें प्यार और एकता का फूल खिलाना है

कलम की धार

कागज़ कलम रखो तैयार
फिर करना है, एक बार
युद्ध की तैयारी मेरे यार
कलम को सिर्फ कलम न समझो
यह भी एक हथियार है
तलवार की ही जैसी इसकी भी धार है
भेद दो दिल अपनी कलम की धार से
फिर देखो बदलाव आया है संसार में

नाम : अधृत निखिल

कक्षा : II, B

रोल : 7

कामयाबी

असफलता एक चुनौती है,

उसे स्वीकार कर।

अपने खंजर से उस पर वार कर

अपनी खुबियों को ढूँढ अपनी खमियों से लड़।

अपनी खुबियों को ढूँढ अपनी खमियों से लड़।

जीत की खुशी नहार का गम मना

जो हो गया, उसे भूल जा और तू आगे बढ़।

जो हो गया, उसे भूल जा और तू आगे बढ़।

हैं अगर तुझमें जीत का जुनून तो असफलता क्या रोकेगी

क्या जोश है तुझमें बुलंद

है जोश अगर तुझमें बुलंद

तो कोई क्या कर पाएगा

तू दुनिया को छोड़ तू खुद में तलाश कर तू अपने

खुबियों को पहचानो उसे बाहर निकल

तू अपने लक्ष्य को निखार

लोग तो कहेंगे ये कि तू कुछ न कर पाएगा

लोग तो कहेंगे ये कि तू कुछ न कर पाएगा

तो लोगो की बात सुनकर

तू ऐसे ही रह जाएगा

वक्त है ऐसी बला फिर न आएगी कभी

वक्त को लफ्जों में क्या तू बयान कर पाएगा

असफलता एक चुनौती है

उसे स्वीकार कर

By - Sonam Kumari – 8A

विद्यालय पत्रिका

आ गई है, स्कूल की पत्रिका
छा गई है स्कूल की पत्रिका
बच्चों के दिल में समा गई पत्रिका
हर जगह वह तो छा गई पत्रिका

मेरा फोटो आया है
स्कूल की पत्रिका में छाया है
दिल में खुशियां लाया है
दोस्तों को बुलाया है

मेरे लेखन को सुधार होगा
जीवन का सुधार होगा
आ गया स्कूल की पत्रिका
छा गई स्कूल की पत्रिका

नाम - आदित्य राज
कक्षा - सातवीं ब
अनुक्रमांक- ५

(अपने)

आंखों से आंखें फेर लेते हैं
होठों से मुस्कान छीन लेते हैं
अपनों से ही मुंह मोड़ लेते हैं
अपने ही रिश्ता अपनों से तोड़ लेते हैं
अक्सर नए रिश्तों में पहचान खोज लेते हैं
नए आस को विश्वास का पैगाम सोच लेते हैं
आखिर क्यों अपनों के दिल खरोच लेते हैं।
सींच कर बगिया को नोच लेते हैं।
नकली फूलों की चाहत में क्यों कोमल मन को तोड़ देते हैं
जाने क्यों लोग अमृत में विष को घोल देते हैं
क्यों अपने ही अपनों का दिल तोड़ देते हैं
आंखों से आंखें फेर लेते हैं
होठों से मुस्कान छीन लेते हैं।

(माँ)

माँ तो जन्नत का फूल है
प्यार देना उनका उसूल है
दुनिया की मोहब्बत फिजूल है
माँ की हर दुआ कबूल है
माँ को नाराज करना इंसान की भूल है
माँ की कदमों की मिट्टी जन्नत की धूल है
माँ तो ममता की सागर है

हर्ष कुमार दास

viii a

तुम

तुम्हारे विदा होने पर
न कोई शोक में
व्याकुल होकर
आंसू बहाएगा
न प्रार्थना में
सिर झुकयागा,

न कोई तुम्हारी
क्षति अनुभव करेगा
बस तुम जहाँ थे
वहाँ नहीं हो
तुम्हारा स्थान रिक्त है
रिक्त ही रहेगा ।

सृष्टी कुमारी

9 अ

बचपन

नन्हा प्यारा सा ये बचपन
जीवन का टुकरा बचपन,
नटखट नादानी का बचपन
विद्या में जो दूबा तनमन ।

खेल-खुद में गुजरा बचपन
याद दिलाता है परती चान,
रंग-रंगीली दुनिया में
गुजरा है सारा बचपन ।

बदलते मौसम

सावन की फुहारों में, भीगी धरती प्यासी,
मन की हरियाली में, बसी कुछ मीठी आशा।

पतझड़ की पत्तियों में, छिपे दर्द के अफसाने,
गिरते पत्तों की तरह, टूटते दिल के बहाने।

बसंत की बयार में, महकती है जिंदगी,
खिलते फूलों की तरह, सजती है हर उम्मीद।

गर्मियों की तपिश में, जलते रेत के सफर,
प्यार के सागर में, मिलते दिल के किनारे।

मौसम बदलते रहते, हर बार नई कहानी,
जीवन की रंगीनियां, कभी मीठी कभी सयानी।

हर मौसम की तरह, जीवन भी चलता रहता,
खुशियों और गमों का, ये सिलसिला बनता रहता।

Name- Shubham Sharma

Class/sec- IXA

माँ और बेटी

माँ के आँचल में बिताया हर पल,
बेटी के लिए वही है सबसे सांस
सपनों की रानी, माँ की लाडली,
बेटी है माँ की आँखों की प्यारी
हर मुस्कान में छुपा वो प्यार,
जो बिना कहे सब कुछ समझे
प्यार की बुंदे बिखरी हर पल
माँ की दुलारी, बेटी की बहार
जीवन के सफर में साथ हमेशा,
बिना कहे भी एक दूसरे को समझना
माँ की ममता, बेटी की मीठी मुस्कान,
ये रिश्ते हैं बेहद अनमोल और अमर
माँ और बेटी की ये प्रेम कहानी
हर दर्द और खुशी की मंजिल है ये
साथ होते हर दिन हर पल बिताना
माँ की गोदी, बेटी का जीवन है

- कुमारी वैष्णवी

माँ

जब हंसी खामोशी बदल जाती है,
जब बाते तेरी खुशी से भर जाती है।
तेरी मुस्कान तेरी खुशबू अच्छी लगती है,
तेरे प्यार से जिंदगी बेहतर लगती है।
तेरी हर बात मुझे सिखाती है।
तेरी हर मुस्कान मुझे खुशी दिलाती है।
मेरी दुनिया बना देती है। तू
तेरी बिना मेरी जिंदगी अधूरी सी लगती है
जब भी हो मेरी मुश्किलें बड़ी
तेरी गोदी में मिलती है राहत
तेरे साथ हो मेरे हर सपने की परवाह
तेरा साथ है मेरी जिंदगी की सबसे बड़ी खुशी
तेरी ममता तेरा प्यार बिना नहीं चल पता
तू है मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा आसरा
माँ की ममता बेटी की दिल की बाते
एक रिश्ते में है, सबसे अदभुत प्यार की कहानी

कुमारी बैष्णवी
कक्षा XI' बी

शाहगीर

शाहगीर वह है-

जो चलता ही जाता है

बधाई आती है लेकिन रुक नहीं जाता

कठिनाईयां आती है लेकिन झुक नहीं जाता

चलता ही जाता है चलता ही जाता है

नदियों से गुजरता है

वाह पहाड़ों से भी गुजराता है

थक जाता है लेकिन पीछे नहीं मुड़ता

हम भी रुकेंगे नहीं, झुकेंगे नहीं

परिस्थितियां चाहे जो भी हो

सदेव निडर होकर आगे बढ़ेंगे हम

अनसुका मंडल

कक्षा - 11'बी'

चाँदनी रात

चाँदनी रात में तारे टिमटिमाते हैं,
नक्षत्रों की बारात निकलती है।
पेड़ों की हरियाली में पक्षी गाते हैं,
प्रकृति की सुंदरता मन को भाती है।

सुबह की पहली किरण में नई उमंग है,
दिन की रोशनी में जीवन की चमक है।
शाम की ठंडी हवा में आराम है,
रात की चाँदनी में शांति का साम्राज्य है।

जीवन की यात्रा में खुशियों के पल हैं,
मुसीबतों के बादल भी जीवन में आती हैं।
लेकिन हर मुश्किल के बाद आसानी का रास्ता है।

-AYUSH KUMAR YADAV

विद्यालय पत्रिका

आ गई है स्कूल की पत्रिका
छा गई है स्कूल की पत्रिका
बच्चों के दिल में समां गई पत्रिका
हर जगह वह तो छा गई पत्रिका

मेरा फोटो आया है
स्कूल की पत्रिका में छाया है
दिल में खुशियां लाया है
दोस्तों को बुलाया है

मेरे लेखन में सुधार होगा
जीवन का सुधार होगा
आ गई स्कूल की पत्रिका
छा गई स्कूल की पत्रिका

नाम - आदित्य राज
कक्षा - सातवीं ब
अनुक्रमांक- ५

संस्कृत-अनुभाग

भारतीय साहित्ये अप्रतिमं योगदानम्

संस्कृतसाहित्ये कालिदासः महाकवीनां मध्ये सर्वोत्तमः मन्यते। तेन लिखितानि *रघुवंश*, *कुमारसंभव*, *मेघदूत*, तथा *ऋतुसंहार* इति चारि काव्यानि विशेषं प्रसिद्धानि सन्ति। *रघुवंशे* सूर्यवंशीयानां राज्ञां चरितं विस्तरेण वर्णितम्, रामस्य जीवनस्य महत्त्वपूर्णाः प्रसङ्गाः अपि प्रकाशयन्ते। *कुमारसंभवे* शिवपार्वत्याः प्रेमकथा, विवाहः, तथा कार्तिकेयस्य जन्मः सुन्दररूपेण चित्रिताः। *मेघदूते* विरही यक्षः स्वपत्नीं प्रति प्रेमसन्देशं मेघस्य माध्यमेन प्रेषयति—अत्र भाषा, भावः, चित्रणं च हृदयङ्गमम्। *ऋतुसंहारे* षडृतूनां सौन्दर्य—ग्रीष्मादारभ्य वसन्तपर्यन्तं—रसपूर्णया शैलीया वर्णितम्।

केवलं कालिदासः एव न, अपि तु अन्ये महाकवयः अपि संस्कृतकाव्ये गौरवं वर्धयन्ति। यथा—वाल्मीकि *रामायण*स्य रचयिता, अश्वघोषः *बुद्धचरित*स्य, माघः *शिशुपालवध*स्य, भट्टिः *रावणवध*स्य, भारविः *किरातार्जुनीय*स्य रचयिता। एतेषां सर्वेषां काव्यानि न केवलं साहित्यगौरवम् ददति, अपि तु जीवनदर्शनम्, संस्कृतिरसश्च प्रकाशितवन्ति। एतानि पठित्वा वयं न केवलं संस्कृतभाषायाः सौन्दर्यं अनुभवामः, किन्तु जीवनस्य गम्भीरार्थं अपि अवगच्छामः।

(श्रीकांत दुत्ता)

भारतस्य महिमा

भारतं नाम राष्ट्रं न केवलं भूगोलस्य किञ्चन देशः, अपि तु मानवधर्मस्य आद्यपीठम्। अस्मिन् पुण्यभूमौ वेदानां अमृतस्वराः सहस्रशः वर्षाणि प्रतिध्वनितवन्तः, उपनिषदां गूढतत्त्वानि मनसां अन्धकारं विनिवार्य ज्ञानप्रकाशं वितरन्ति। योगिनः, मुनयः, तपस्विनः च, आत्मबोधेन जगतः कल्याणाय मार्गं ददुः। भारतभूमिः आर्षपरम्परायाः पावनं उद्गमस्थानं, यत्र धर्मः एव जीवनस्य प्राणः इव प्रतिष्ठितः।

भारतीयसंस्कृतेः स्वरूपं समुद्रवत् अनन्तं, पर्वतवत् स्थिरं, गङ्गावत् शुद्धं च। अत्र न केवलं आध्यात्मिकं चिन्तनं, किं तु कला-संगीत-नाट्य-शिल्प-साहित्यादीनां अपि अपूर्वा विभूतयः प्रादुरभवन्। नाट्यशास्त्रं भरतमुनिना रचितं लोकनाट्यस्य आधारभूतं जातम्। शिल्पकला, चित्रकला, वाद्यगीतनृत्यकला च जगतः चित्तं मोहितवती। अत्र गङ्गा, यमुना, सरस्वती च जीवनस्य नित्यमधाराः सन्ति; हिमालयः चिरस्थायिनं धैर्यं यथा राष्ट्राय ददाति।

यत्र गीता धर्मस्य गूढार्थं उद्घोषयति, यत्र रामायणमहाभारतयोः कथासरिता लोकान् सत्यमार्गे प्रेरयतः, तत्रैव भारतस्य संस्कृतिः सनातनी चिरंजीविनी च इति प्रत्यक्षं दृश्यते। भारतस्य महिमा केवलं अतीते न विराजते, अपि तु अद्यापि अस्य राष्ट्रस्य सन्तानाः विज्ञानप्रौढ्या, धर्मनिष्ठया, सहिष्णुतेन च विश्वे नूतनं मार्गं निर्दिशन्ति। अहो! भारतं विश्वस्य दीपः, मानवकुलस्य आशा, सत्यस्य धर्मस्य च नित्यं रक्षकः।

तस्मात् भारतं केवलं भूभागः न, किं तु जीवमानं दैवीयतत्त्वं, धर्मस्य शाश्वतं आधारम्, विश्वस्य सुसंस्कृतिजीवनस्य पावनं केन्द्रम्। यावत् गङ्गाजलधारा प्रवहति, यावत् हिमालयः स्थितः, तावत् भारतस्य महिमा अखण्डः, अस्य संस्कृतिः अक्षयिनी, अस्य वारसा चिरंतनीति।

(नोडरित सिन्हा)

माता मम प्रथमा गुरुः

माता मम प्रथमा गुरुः

यया में जीवनं पाठितः

सा मम जीवने रुपितवती

चैव में पादे पादे उपदिष्टवती

सा मम प्रथमा शिक्षिका

यया में शब्दानां अर्थ पाठितः

सा मम हृदये प्रेम्णा पूरितवती

चैव में जीवनं प्रत्येक मोडे उपदिष्टवती

मातृप्रेम अनमोल भवति

यत् में सर्वदा सहायक भवति

मातृदुः मम साहचर्यं करोति

याः में जीवनं प्रत्येक पादे प्रवर्तयन्ति ।

नाम - साक्षी आनंद

कक्षा - 10/ब

केन्द्रीय विद्यालयः, चित्तरञ्जनम्

केन्द्रीय विद्यालयः, चित्तरञ्जनम्: ज्ञानस्य दीपः

१९८६-तमे वर्षे स्थापितः केन्द्रीय विद्यालयः, चित्तरञ्जनम्, पश्चिमबङ्गराज्ये चित्तरञ्जन-रेलयान्त्रनिर्माणशालायाः नगरस्य मध्ये स्थितः एकः प्रमुखः शैक्षणिक-संस्थानम् अस्ति। मुख्यतया केन्द्र-सर्वकारकर्मचारिणां, विशेषतः CLW-सम्बद्धानां बालकानां शैक्षणिक-आवश्यकताः परिपूरयितुं अयं विद्यालयः केन्द्रीय-माध्यमिक-शिक्षा-मण्डलस्य पाठ्यक्रमस्य अनुसारं एकरूपं तथा च उत्कृष्टं शिक्षणं प्रददाति। अस्य शान्तं परिसरं, यत् हरिद्वर्णेन परिवेष्टितम् अस्ति, शैक्षणिकाय तथा च व्यक्तिगत-विकासाय अनुकूलं वातावरणं ददाति।

विद्यालयः आधुनिक-सुविधाभिः सुसज्जितः अस्ति, यत्र एकं विशालं पुस्तकालयम्, अत्याधुनिक-विज्ञान-गणक-प्रयोगशालाः, विस्तृताः क्रीडा-सुविधाश्च सन्ति। अयं शिक्षायाः सर्वाङ्गीण-दृष्टिकोणे बलम् यच्छति, यः कठिन-शैक्षणिकं विस्तृत-पाठ्यक्रमेतर-क्रियाकलापैः सह मिश्रयति। छात्राः क्रीडासु, सांस्कृतिक-कार्यक्रमेषु, विविधासु प्रतियोगितासु च भागं ग्रहीतुं प्रेरिताः भवन्ति, यत् तेषां सर्वाङ्गीण-व्यक्तित्वस्य विकासाय सहायकं भवति।

गतवर्षेषु केन्द्रीय विद्यालयः, चित्तरञ्जनम्, न केवलं उच्च-शैक्षणिक-मानदण्डान् रक्षितवान् अपितु विविध-सांस्कृतिक-पृष्ठभूमिभ्यः छात्रान् एकत्र आनयनेन राष्ट्रिय-एकतायाः वर्धने महत्त्वपूर्णाम् भूमिकां निर्वहति। एषः शिक्षणे उत्कृष्टतां प्रदातुम् तथा च भविष्यस्य कृते उत्तरदायिनः नागरिकाः निर्मातुम् स्वस्य लक्ष्यस्य प्रमाणम् अस्ति।

भवान्यष्टकम्

न तातो न माता न बन्धुर्न दाता न पुत्रो न पुत्री न भृत्यो न भर्ता ।

न जाया न विद्या न वृत्तिर्ममैव गतिस्त्वं गतिस्त्वं त्वमेका भवानि ।

भवाब्धावपारे महादुःखभीरु पपात प्रकामी प्रलोभी प्रमत्तः ।

कुसंसारपाशप्रबद्धः सदाहं गतिस्त्वं गतिस्त्वं त्वमेका भवानि ॥

न जानामि दानं न च ध्यानयोगं न जानामि तन्त्रं न च स्तोत्रमन्त्रम् ।

न जानामि पूजां न च न्यासयोगं गतिस्त्वं गतिस्त्वं त्वमेका भवानि ॥

न जानामि पुण्यं न जानामि तीर्थं न जानामि मुक्तिं लयं वा कदाचित् ।

न जानामि भक्तिं व्रतं वापि मात गतिस्त्वं गतिस्त्वं त्वमेका भवानि ॥

कुकर्मी कुसङ्गी कुबुद्धिः कुदासः कुलाचारहीनः कदाचारलीनः ।

कुदृष्टिः कुवाक्यप्रबन्धः सदाहं गतिस्त्वं गतिस्त्वं त्वमेका भवानि ॥

प्रजेशं रमेशं महेशं सुरेशं दिनेशं निशीथेश्वरं वा कदाचित् ।

न जानामि चान्यत् सदाहं शरण्ये गतिस्त्वं गतिस्त्वं त्वमेका भवानि ॥

विवादे विषादे प्रमादे प्रवासे जले चानले पर्वते शत्रुमध्ये ।

अरण्ये शरण्ये सदा मां प्रपाहि गतिस्त्वं गतिस्त्वं त्वमेका भवानि ॥

अनाथो दरिद्रो जरारोगयुक्तो महक्षीणदीनः सदा जाड्यवक्त्रः ।

विपत्तौ प्रविष्टः प्रनष्टः सदाहं गतिस्त्वं गतिस्त्वं त्वमेका भवानि ॥

श्रीकांत दुत्ता

केन्द्रीयः विद्यालयः चितरंजन

प्रातः शोभावर्णनम्

प्रातः कालः मनोरमम् विहगाः कूजनं कुर्वन्ति कृषकाः क्षेत्रं गच्छन्ति माता देवपूजनं करोति बाला पुस्तकं पठति प्रातः कालम् अतीवमनोरमम्। मनोरमम्, मनोरमम्॥

विलसतु संस्कृतभाषा गृहे गृहे शोभते संस्कृतभाषा विश्वे या भाषा सरला समुधरा च इयं भाषा विराजतु गृहे गृहे चिरं जीवतु इयं भाषा।

नामः सोनम कुमारी

कक्षाः सातवीं 'अ'

रोचते

तातो मे रोचते जननी मे रोचते चन्द्रो मे रोचते रजनी मे रोचते रोचन्दते पष्पाणि, उद्यानं रोचते....। नृत्यं मे रोचते..। गानं मे रोचते शाला मे रोचते पठनं मे रोचते स्वप्नो मे रोचते शयनं मे रोचते....। क्रीडे

नकीकमित्रैः सह खेला मे रोचते श्रावणी रोचते मेला मे रोचते रामस्य कीर्तिनं सीता मे रोचते कृष्णस्य वन्दनं राधा मे रोचते प्राङ्गणम् रोचते.... गगनं मे रोचते गमनं मे रोचते सदनं मे रोचते।

नाम -अम्बरीश मिश्रा

कक्षा - 10 ब

वीर सुभाषचन्द्र बसु:

नेताजी सुभाषचन्द्र बसु महोदयस्य जन्म सप्तनवतिः अधिकम् अष्टादश शततमे वर्षे (१८९७) जनवरी मासस्य त्रयोविंशति दिनाङ्के उड़ीसायाः कटक नामके स्थाने अभवत्।

तस्य पितुः नाम जानकी नाथ बसुः मातुः नाम प्रभावती देवी आसीत्।

सुभाषस्य प्राथमिकी शिक्षा कटकनगरस्य एकस्मिन् आङ्ग्लविद्यालये अभवत्।

तत्र आङ्ग्लछात्राणां सङ्ख्याधिकाः आसन्।

ते सर्वदा भारतीयानाम् अपमानं कुर्वन्ति स्म।

परन्तु सः कदापि तेषां समक्षं न अनमत्।

तत्पश्चात् सः कोलकाता नगरस्य प्रेसीडेंसी विद्यालयात् स्नातक परास्नातक परीक्षाद्वयं प्रथमश्रेण्याम् उत्तीर्णः अभवत्।

तत्पश्चात् सः पुनः आई सी एस परीक्षायाम् अपि प्रथमश्रेण्याम् उत्तीर्णः अभवत्।

तस्य पितुः इच्छा आसीत् यत् सुभाषः उच्च अधिकारी भवतु परं सुभाषः आङ्ग्लशासकैः प्रस्तावितम् उच्च पदं न स्वीकृतवान्।

तस्य मनसि तु बाल्यकालात् एव आङ्ग्लशासकानां प्रति घृणा भावः आसीत्।

प्रिन्स ऑफ वेल्स नामकः आङ्ग्ल शासकः यदा भारतम् आगच्छत् तदा तस्य विरोधाय महान् जनसम्मर्दः गृहात् बहिः आगच्छत्। तस्य नेतृत्वमपि सुभाषः एव अकरोत्।

एकदा सः वेषं परिवर्त्य गृहात् बहिः निरगच्छत्। जापानदेशं गत्वा सः "आजाद् हिन्द् फौज" नामक सैन्यसङ्घटनस्य नेतृत्वम् अकरोत्।

युयं मह्यं स्वकीयं रक्तं प्रयच्छत , अहं युष्मभ्यं स्वतन्त्रतां प्रत्यर्पयिष्यामि इति तस्य उद्घोषः आसीत्।

जय हिंद वन्दे मातरम्!!

~खुशी कुमारी ८'अ'

अनुशासनं हि जीवनम् —

अनुशासनस्य महत्त्वं मानवजीवने अत्यधिकम् अस्ति। अनुशासनं नाम केवलं नियमपालनम् एव न, अपितु आत्मनियन्त्रणम्, समयपालनम्, कर्तव्यनिष्ठा च। यतः येन जीवनं अनुशासनरहितं भवति, तत् जीवनं अव्यवस्थितं, लक्ष्यहीनं च जायते। अतः उच्यते— “अनुशासनं हि जीवनम्”।

अनुशासनस्य फलरूपेण मनः एकाग्रं भवति, कार्येषु रुचिः वर्धते, चित्तं प्रशान्तं च भवति। विद्यार्थीणां कृते अनुशासनं भवति प्रथमं पादपदम्। यः छात्रः समयं पालयति, नियमं पालयति, सः एव अध्ययनक्षेत्रे, क्रीडाक्षेत्रे, जीवनस्य सर्वेषु मार्गेषु सफलः भवति।

अनुशासनेन न केवलं व्यक्तिगतजीवनं सुधार्यते, अपि तु परिवारस्य, विद्यालयस्य, समाजस्य च व्यवस्था सुचारुरूपेण प्रवर्तते। अनुशासनहीने समाजे अव्यवस्था, अशान्तिः, अविचारिता क्रियाः च दृश्यन्ते। अतः अनुशासनस्य पालनम् सर्वेषां दायित्वं भवति।

अन्ते वदामः— अनुशासनं यः जीवनस्य आधारशिलावत्। अनुशासनं विना न कश्चन पुरुषः स्वलक्ष्यं प्राप्नुयात्। तस्मात् सर्वे जनाः स्वजीवने अनुशासनस्य आचराणां कुर्वन्तु।

सत्यं वचनम्— “अनुशासनं विना जीवनं न शोभते।”

अनुशासनं हि जीवनं
पथः सन्मार्गदर्शकः।
यत्र शिस्तिर्न विद्यते
तत्र न स्याद् गतिः शुभा॥

समयं यः सदा पालयेत्
कर्तव्यं यः करोति च।
स एव सिद्धिमाप्नोति
जीवने नात्र संशयः॥

English

My Experience at the Jamboree Training Camp

I, Anuj Kumar of PM Shri Kendriya Vidyalaya Chittaranjan, feel immensely proud and privileged to share my remarkable experience of being selected for the District Rally 2024 of Bharat Scouts and Guides under KVS State. Our Jamboree Training Camp was conducted in December at PM Shri Kendriya Vidyalaya, Ordnance Factory Dum Dum, Kolkata. It was an unforgettable journey filled with adventure, learning, and excitement.

The camp was not only enjoyable but also deeply enriching. We were introduced to the true essence of scouting, which is discipline, leadership, service, and teamwork. Through engaging sessions, we gained practical knowledge of field craft, knot-tying, tracking, and survival skills. These hands-on activities enhanced our confidence, resilience, and problem-solving ability. Pioneering activities, which required building structures using ropes and poles, tested our creativity, innovation, and collaborative spirit.

The evenings were equally vibrant with cultural nights and campfires. The performances of songs, dances, skits, and storytelling created a festive atmosphere. The warmth of the campfire fostered unity and strengthened our bonds of friendship. Along with these, extracurricular activities such as quiz competitions, group discussions, and sports made the camp more dynamic and interactive.

This training camp was a perfect blend of enjoyment and education. It gave me exposure to modern perspectives and global scouting traditions. I realized that scouting is not only about outdoor skills but also about values like responsibility, community service, and leadership. The camp inspired me to become more disciplined, socially aware, and helpful to others.

I feel truly blessed and grateful to have been a part of this memorable event. The lessons I learned here will remain lifelong, guiding me towards becoming a responsible citizen and a proud scout.

Name - ANUJ KUMAR

Roll.no - 09

Class - 10th A

BSG UID - BSG141180313

Echoes of past

The clock moves on the past won't stay,
Its fleeting moments slip away.
I long to return, to relive, to mend,
But time moves forward it cannot bend.

The door is closed the past is gone,
Yes it echoes guide me to move on.
For thought I can't go back, I see
The time that's passed still lives on in me

(Ambrish Mishra) – 10 B

Nature's Bliss

The flowers bloom with colours
So bright,
Filling the meadows with pure
delight
tall trees sway in the gentle
breeze,
Whispering secrets through their
leaves
A Water fall roars, its silver
gleam,
A sparkling thread in nature's
dream.
The grass lays soft, a vibrant
bed,
Where deer and rabbits and rabbits gently
thread
Birds sing sweet songs from
Skies above,
Nature's beauty, a gift of love

-BISHAL KUMAR JHA -XB

MY FRIENDS

Courage is my friend,
Fear is my enemy.
Truths are my friends,
Lies are my enemies.
Books are my friends,
Exams are my enemies.
My parents are my friend,
Strangers are my enemies.
Lights are my friend,
Darkness are my enemies.
Tasty dishes are my friend,
Junk food are my enemies.
My sweet home is my friend,
Unknown places are my enemies.

Name-Suvangi Mandal.
Class-II A, Roll No: 36

Mother's Day

Happy mother's day , Happy mother's day
all mother's in the world ,
are very playful, careful, and helpful
because my mom is very careful
my mom helped me in study.
and my mom helped me in study, dancing, and other activities.
I said my mom thank you very, very
because I loved my mom very, very.
thank you...

Name Deepshree Kumari
Class-4 [A] Roll no-13 .

Excursion



Wow! Our educational Excursion is so exciting and Enjoyable tour for everyone, without explain nobody can feel it. According to the school schedule, we reach at 7:00 am. We all the friends and teachers are waiting for tourist bus. At 8:30 am our bus has come in front of our school premises. Teachers called all the students and maintain with attendance those who are going with us to the excursion. Then, we sit in the bus. At 8:45 am our Bus departure to Bardhaman, West Bengal science Centre. We reached at 12:30 pm then we visited in science centre, we saw many science experiment like 3D show, frozen shadow, Clapping tree, solar system, Bhulbhulaiya. We also saw rabbits, playing instruments etc.

We eat delicious food like chicken, dal, paneer, mixed veg., salad, chatni, papad, Rasgulla etc. We enjoyed lot of fun with friends and teachers. After that we come back at 7:00 pm. This trip was awesome and memorable day for us and we know about the science subject especially about the solar system. It was so interesting and valuable topic for me. Really, I am very much glad and humble for my teachers for this educational trip.

Thank you,
(**Dhimohi Chakraborty**)
Class V B

Environmental Storage

Introduction

The environment is everything around us – air, water, land, plants, animals, and even humans. To keep our environment safe and healthy, we need **proper storage methods** for natural resources and waste. This is called **Environmental Storage**

🔧 Types of Environmental Storage

1. **Water Storage**
 - Water is stored in **dams, lakes, ponds, and underground reservoirs**.
 - Helps in irrigation, drinking water, electricity generation, and preventing water scarcity.
2. **Soil Storage**
 - Soil stores nutrients, minerals, and water needed for plants.
 - Good farming practices, afforestation, and preventing soil erosion help in proper soil storage.
3. **Forest Storage**
 - Forests store **oxygen, carbon dioxide, and biodiversity**.
 - They help balance the environment by absorbing harmful gases and giving fresh air.
4. **Energy Storage**
 - Renewable energy like **solar, wind, and hydropower** is stored in **batteries, grids, and reservoirs**.
 - Reduces dependence on fossil fuels.
5. **Waste Storage**
 - Proper storage of garbage and industrial waste in **landfills, recycling centers, and treatment plants** prevents pollution.
 - Segregation into **biodegradable and non-biodegradable waste** is important.

Importance of Environmental Storage

- Prevents **pollution** of air, water, and soil.
- Conserves **natural resources** for future generations
- Maintains **ecological balance**.
- Reduces the effects of **climate change**.
- Helps in **sustainable development**
- Storing **rainwater** in tanks → water storage.
- Keeping **plastic bottles** in a recycling bin → waste storage.
- Growing trees → oxygen and carbon storage.
- Saving electricity in batteries → energy storage.

Environmental Storage means carefully saving and managing nature's resources and wastes so that the Earth stays healthy for us and the future.

Excursion

Our class visited Burdwan Science Center as a part of educational tour. The visit was organized by our Principal Madam provide us practical exposure of science outside the classroom. It had many practical exhibits on light, sound and motion. We enthusiastically participated in interactive models and understood the concepts through real life demonstration.

We have seen 3D shows on the topic solar system and marine life. We participated in a quiz on human body team wise and Science Park after the lunch. We have gathered a lot of information and knowledge. It was really an enjoyable experience.



(Aarna Gaur – IV A)

How Strange the World Is

The world is a wondrous place, full of surprise,
Where laughter and tears, in moments, rise.
A dance of contrasts, a symphony so grand,
Where joy and sorrow, hand in hand, expand.

In streets of chaos, beauty can be found,
In whispers of strangers, stories unbound.
The stars above, a twinkling show,
Reflecting dreams and hopes, as they glow.

The world is strange, a mystery to explore,
A journey of discovery, evermore.
With every step, a new tale unfolds,
Of love, loss, and dreams, as the story's told.

So let us marvel at this wondrous place,
And find our own path, in life's intricate lace.
For in its strangeness, lies a beauty rare,
A world of wonder, beyond compare.

Sakshi Pandey
Class 3A

All about GST

Once I have learnt that it is better to reign in the earth than to do slave in the heaven; Direct Tax can make a grievance among the tax payers; so some government used to practice this type of taxes inside the economy;

The full form of GST is “Goods and Services Tax”. It introduced India to replace several indirect taxes prevalent earlier GST is a multistage, destination-based comprehensive tax that includes most indirect taxes, excluding some state taxes.

India has four types of GST: Integrated Goods and Services Tax (IGST), State Goods and Services Tax (SGST), Central Goods and Services Tax (CGST), and Union Territory Goods and Services Tax (UTGST). This simple division makes it easy to tell the difference between interstate and intrastate goods.

GST, or Goods and Services Tax, is an indirect tax imposed on the supply of goods and services. It is a multi-stage, destination-oriented tax imposed on every value addition, replacing multiple indirect taxes, including VAT, excise duty, service taxes, etc

India's GST system has been overhauled into a simpler two-tier rate structure of 5% and 18%, while luxury and sin goods are now taxed at 40% (compared to the ...5 Sept 2025

GST rates in India for various goods and services are divided into four slabs: 5% GST, 12% GST, 18% GST, and 28% GST.

The idea of a nationwide GST in India was first proposed by the Kelkar Task Force on Indirect taxes in 2000. The objective was to replace the prevailing complex and fragmented tax structure with a unified system that would simplify compliance, reduce tax cascading, and promote economic integration.

Goods and Services Tax (GST) is a type of indirect tax which is successor to multiple indirect taxes prevailing in India before 1 July 2017 for example VAT, Service Tax, Central Excise Duty, Entertainment Tax, Octroi, etc. on the supply of goods and services.

India, the title of “Father of GST” is given to the former Prime Minister, Atal Bihari Vajpayee. His government laid the foundation for GST by constituting a task force under Dr. Vijay Kelkar in 2000 to develop a sophisticated and efficient goods and services tax system.9 Jan 2025

The title "Father of GST in India" is often given to Dr. Vijay Kelkar, whose work laid the foundation for GST. However, it was the former Prime Minister Atal Bihari Vajpayee who originally presented the thought in 2000. The enthusiasm for the implementation of GST reflected the support of a couple of policymakers, but Prime Minister Vajpayee is largely credited with initiating the process.

Modern Reallocation in GST:

In the 56th GST Council meeting, the government approved a simplified structure (now implemented), reducing the old multi-tier system (0%, 5%, 12%, 18%, and 28%) to just two main slabs—5% and 18%—plus a 40% “sin & luxury” slab for select items.

The Goods and Services Tax (GST) in India has undergone its biggest overhaul since its 2017 launch. In the 56th GST Council meeting, the government approved a simplified structure (now implemented), reducing the old multi-tier system (0%, 5%, 12%, 18%, and 28%) to just two main slabs—5% and 18%—plus a 40% “sin & luxury” slab for select items.

This reform has come in effect from September 22, 2025, aiming to reduce household costs, boost consumption, and simplify compliance for businesses.

Essentials & FMCG (Nil or 5%)

Pre-packaged paneer, UHT milk, rotis, paranthas
Life-saving medicines (33 existing + 3 new cancer/rare disease drugs)
Individual life and health insurance policies

5% GST (Earlier 12%/18%)

Butter, ghee, cheese, condensed milk
Bhujia, namkeen, potato chips
Packaged juices, ketchup, jam, mayonnaise
Pasta, noodles, corn flakes, confectionery
Shampoos, soaps, toothpaste, toothbrushes
Bicycles, kitchen utensils, tableware
Agricultural machinery & bio-pesticides
Medical devices (thermometers, glucometers, oxygen, spectacles)

Impact: Daily groceries, personal care, and household essentials get significantly cheaper.

Consumer Durables & Automobiles (18%)

Air conditioners, televisions, refrigerators
Small cars (≤ 1200 cc petrol/ ≤ 1500 cc diesel)
Entry-level bikes (≤ 350 cc)
Cement, auto parts, buses, trucks, ambulances
Apparel above ₹ 2,500

Impact: Big-ticket purchases now fall under the 18% slab, down from 28%, making upgrades more affordable.

Luxury & Demerit Goods (40%)

Carbonated & caffeinated beverages
Mid-size and luxury cars (above small car category)
Tobacco products, gutkha, pan masala, cigarettes (rates maintained under new 40% slab)

Impact:

Premium items remain costly, ensuring higher taxation on non-essentials and demerit goods.

Conclusion:

We all social beings; Keeping in mind that each reforms has some positive and negative impacts; May be we can welcome the goods lagging behind the errors and loop holes

---CHANDAN SELUA – PGT (ECONOMICS)

A Day in My Life

I wake up early, the sun shines bright,
My mom says, "Rise and shine, it's time to light!"
I brush my teeth, and wash my face,
Get ready for school, with a happy pace.

I eat my breakfast, oatmeal with fruit so sweet,
My favorite! I can't wait to eat.
I grab my backpack, and head out the door,
Meet my friends, and we chat some more.

In school, we learn and play,
Our teacher teaches us, in a fun way.
We do math problems, and read books too,
I'm learning so much, it's all brand new!

Recess is my favorite part of the day,
I play tag with friends, in a happy way.
We run and laugh, and have so much fun,
I'm so lucky to have friends like everyone!

After school, I go to the park,
Play on the swings, and feel the spark.
I ride my bike, and feel so free,
The wind in my hair, is just part of me!

When I get home, I do my homework fast,
Then I play with toys, and have a blast.
My mom reads me a story, before bed,
I snuggle up tight, and drift off to sleep instead.

Priyanshu Kumar

The Missing Cricket Bat

Arjun loved the monsoon. The smell of wet earth, the pitter-patter on the tin roof, and most of all, the chance to play cricket in the puddles with his friends. The gully in their colony was their stadium, and Arjun's prized possession, a shiny new cricket bat, was their trophy.

One afternoon, the clouds were heavy with rain. Arjun had promised his friends, Sameer and Rohan, a match. He raced home from school, dropped his bag, and went straight to the corner of his room where his bat stood. His heart sank. It wasn't there. He searched everywhere. Under his bed, in the closet, behind the curtains. His new bat, a birthday gift from his grandfather, was gone. Panic set in. He had left it right there that morning.

Who would have taken it?

Arjun's mind raced through the day. He remembered Sameer admiring the bat a little too much the day before. Sameer's family wasn't well-off, and he had always wanted a bat like Arjun's. Arjun felt a pang of suspicion. Could it be him? Just as he was about to call Sameer, his mother walked in. "Arjun, what's all this mess?" she asked, looking at the overturned books and clothes.

"My bat is missing, Maa," he said, his voice trembling. "I think someone stole it."

"And who do you suspect?" she asked gently.

Arjun hesitated, then mumbled, "Sameer."

"Then you should not accuse anyone," she said firmly. "A true friend is someone you trust, and trust isn't a game. It's built on faith, not doubt. Why don't you talk to Sameer first?" Arjun felt ashamed. His mother's words hit home. He grabbed his phone and called Sameer, his heart pounding. "Sameer," he said, trying to sound calm, "did you by any chance see my bat?". Sameer's voice was full of concern. "No. Did you lose it? Don't worry, we can use mine. My dad got me a new one from the market today." Arjun's heart sank even more. Sameer wasn't just a good friend; he was a kind one. He had a new bat, yet he was still offering his old one. He decided to go over to Sameer's house. As he walked, he felt terrible for suspecting his friend. When he reached Sameer's place, he saw Sameer playing with his little sister, and his mother was watering the plants. He was about to leave when he saw it. Leaning against a clay pot on Sameer's porch, was his own cricket bat.

He stared, confused. How did it get there?

Sameer saw him and came running over. "Arjun, you found it! My little sister, Rani, saw it lying outside your house this morning when she went to get the milk. She said she was worried a dog might chew it, so she brought it here. I was just about to come to your house and return it, but then a delivery came and I got busy." Arjun's face turned red. He had jumped to the worst conclusion, all because of his own insecurity. He looked at the bat, then at Sameer, and finally at Rani, who smiled shyly.

"I am so sorry, Sameer," Arjun said, his voice barely a whisper. "I shouldn't have doubted you. I was a terrible friend."

Sameer put an arm around him. "Don't worry about it. We're friends. The important thing is the bat is safe now. And the rain is stopping. Let's go play!"

Arjun grinned. As they walked to the gully, the sun peeked through the clouds, and a beautiful rainbow appeared in the sky. It felt like a promise—of a new game, a renewed friendship, and a lesson learned.

Moral of the Story: Do not be quick to judge. Trust and faith in your friends are more important than any possession.

Festivals Custom Arts and Culture in India

India shine with colour so bright
Festival fill our hearts with bright
Diwali lights with darkest night
Holi fills the air with bright

Eid brings enjoy with prayers and song
Chhat puja is famous for Hindu
Baisakhi drums is famous for Panjabi
Durga puja is famous for Bengali

Customs teach us value true,
And old tradition guides us well
Customs shine with so many colour
Each one shine with love and pride.

Art in Rangoli, dance, and song,
Keeps our heritage alive and strong
Culture are deep both rich and vast
Holds our future, with links the past.

*(India celebrate all festivals of every region
That's why we called our India is Extraordinary and Amazing)*

NAME- TRIPTI KUMARI LAL
CLASS – XB
ROLL NO- 31

The Jungle's Special Picnic



One sunny morning, the animals of the jungle decided to have a picnic.

Leo the lion brought sweet mangoes, while Ella the elephant carried fresh water in her trunk.

Milo the monkey collected bananas from tall trees.

Tiny Tia the turtle walked slowly but brought colorful flowers to decorate.

They spread a big mat near the river and placed all the treats on it.

Birds chirped happily, making the picnic more joyful.

Suddenly, it started to drizzle, and everyone rushed to find shelter.

But Ella opened her big umbrella-like ears to cover her friends.

They all laughed, ate together, and danced in the gentle rain.

After the picnic, the jungle looked brighter and happier.

The animals promised to meet often, not just to eat, but to share and care.

--By Arnab Das

How Strange the World Is

The world is a wondrous place, full of surprise,
Where laughter and tears, in moments, rise.
A dance of contrasts, a symphony so grand,
Where joy and sorrow, hand in hand, expand.

In streets of chaos, beauty can be found,
In whispers of strangers, stories unbound.
The stars above, a twinkling show,
Reflecting dreams and hopes, as they glow.

The world is strange, a mystery to explore,
A journey of discovery, evermore.
With every step, a new tale unfolds,
Of love, loss, and dreams, as the story's told.

So let us marvel at this wondrous place,
And find our own path, in life's intricate lace.
For in its strangeness, lies a beauty rare,
A world of wonder, beyond compare.

Sakshi Pandey

Class 3A

Funny Jokes for School Magazine

1. Teacher: Tum itne der se kyun aaye?

Pappu: Mam, road par likha tha "School Ahead, Go Slow."

2. Doctor: आपको नींद क्यों नहीं आती?

Patient: WhatsApp पे "Good Night" भेजने में सुबह हो जाती है!

3. Teacher: Agar tumhare paas 10 aam hain aur main 2 aam le loon toh kitne bache?

Student: 10 hi rahenge... kyunki main आपको आम नहीं दूंगा!

4. Boy: Mom, I got 100 in school today!

Mom: Wow, in which subject?

Boy: 40 in Maths, 30 in Science, 30 in English!

5. Teacher: What is the chemical formula of water?

Student: H-I-J-K-L-M-N-O.

Teacher: What?!

Student: You said H to O!

6. Teacher: Why are you looking at the clock?

Student: Because I'm waiting for time to fly!

Alpesh Mondal, Class 8 A, Roll: 06

JOKES

1. Teacher said to the students to change the sentence...."I killed a person"into future tense.

Suddenly Vivek stood up and said -Sir.. the future tense is.."you will go to Jail".

2. Teacher:-why are you so late?

Student:-because of the sign on the road.

Teacher:-what type of sign?

Student:-the sign that say"school ahead" "go slow".

Aarav Gupta

Class 5A

WHAT I THINK

Guru or Govind.....

God made us men

But our Guru makes gentleman

God created nature...

But our Guru turned it into a smart creature....

God gives us bright..

But our Guru gives us wonderful sights....

God gives us beautiful Earth...

But our Guru(Teachers) make our vision to preserve earth...

So..... faith in God...and respect to Guru 🙏

Aarav Gupta

Meditation our lifestyle

Some philosophers said that "no meditation no life.so know meditation know life". Meditation is not about stopping thought but recognising that we are more than our thoughts and our feelings.if we want to conquer the anxiety of life.live in the moment, live in the breath to know yourself in today's world in this modern day and age the negative effects of stress are unavoidable.People have literally forgotten the way to live their life.They are extremely busy after materialistic goals thereby feeling stress everytime.So request to my dear friend.... MEDITATION BRINGS WISDOM....

Aarav Gupta

Class 5A

Festivals Custom Arts and Culture in India

India shine with colour so bright

Festival fill our hearts with bright

Diwali lights with darkest night

Holi fills the air with bright

Eid brings enjoy with prayers and song

Chhat puja is famous for Hindu

Baisakhi drums is famous for Panjabi

Durga puja is famous for Bengali

Customs teach us value true,

And old tradition guides us well

Customs shine with so many colour

Each one shine with love and pride.

Art in Rangoli, dance, and song,

Keeps our heritage alive and strong

Culture are deep both rich and vast

Holds our future, with links the past.

India celebrate all festivals of every region

That's why we called our India is Extraordinary and Amazing

NAME- TRIPTI KUMARI LAL

CLASS – XB

ROLL NO- 31

Books vs. Screens: What Should We Choose?

In the modern digital age, we are constantly faced with the choice between traditional books and digital screens for reading, learning, and entertainment. Both have their advantages and drawbacks, and the decision is not always clear-cut. While screens offer convenience and endless resources at our fingertips, books provide a tangible, focused, and arguably healthier experience. As society continues to evolve, the question remains: books vs. screens — what should we choose?

The Case for Books

Books have been the cornerstone of human knowledge and storytelling for centuries. A printed book offers a sensory experience — the feel of paper, the smell of ink, and the sound of flipping pages — that many readers find comforting and irreplaceable. More importantly, reading physical books has been shown to improve focus and comprehension. Unlike screens, which can be distracting due to notifications, ads, and hyperlinks, books provide a distraction-free environment that encourages deep reading.

Studies also suggest that reading printed material leads to better memory retention. When readers interact with physical pages, they often remember where certain information was located in the book. This spatial memory is difficult to replicate on a screen, where scrolling and page numbers are less consistent.

Additionally, books reduce eye strain. Prolonged screen time can lead to digital eye strain, headaches, and disrupted sleep due to blue light exposure. Books, on the other hand, do not emit light and are gentler on the eyes, making them ideal for long reading sessions, especially before bedtime.

The Power of Screens

Despite the many benefits of books, screens have transformed the way we access and consume information. E-books, tablets, and smartphones allow users to carry an entire library in their pocket. This convenience is unmatched, especially for travelers, students, and busy professionals. Digital platforms also offer features such as adjustable font sizes, search functions, built-in dictionaries, and even audio narration, making reading more accessible to people with visual impairments or learning difficulties.

Screens are also more environmentally friendly in the long term. While the production of electronic devices requires resources, digital reading eliminates the need for paper, ink, and physical transportation of books. With growing concerns about deforestation and carbon emissions, digital reading can contribute to a more sustainable future — if devices are used responsibly.

Moreover, screens are essential in education and communication. Online courses, digital textbooks, and interactive learning platforms have revolutionized education, especially during global crises like the COVID-19 pandemic. They allow for collaborative learning, instant updates, and multimedia integration, which can make complex topics more engaging and understandable.

The Middle Ground: Balance and Purpose

Rather than viewing books and screens as rivals, it is more helpful to see them as complementary tools, each suited to different needs and situations. Choosing between books and screens should depend on context, purpose, and personal preference.

For deep reading, studying, and relaxation, books may be the better choice. They promote concentration, reduce distractions, and provide a calming experience. On the other hand, screens are ideal for quick information searches, multitasking, and interactive learning.

Furthermore, technology can enhance our experience of books rather than replace them. For instance, audiobooks and e-readers like the Kindle simulate the book-reading experience without the drawbacks of full-screen devices. Hybrid models — where printed books are used alongside digital tools — can provide the best of both worlds.

Conclusion

In the debate between books and screens, there is no one-size-fits-all answer. Both offer unique benefits and challenges, and the best choice depends on individual needs, goals, and circumstances. Rather than choosing one over the other, embracing both allows us to maximize learning, enjoyment, and efficiency. In a world that increasingly depends on digital technology, the key is not to abandon books, but to use screens wisely and thoughtfully. After all, it is not the medium that matters most, but how we use it.

REYANSH MONDAL
CLASS VIII B

Importance of Generative AI for students



By: Kaushik Mazumdar
(Computer Instructor)
PM SHRI KV Chittaranjan

In the rapidly evolving digital age, education is no longer limited to textbooks and classrooms. One of the most transformative developments of recent times is **Generative Artificial Intelligence (Generative AI)**—a technology that can create text, images, music, code, and even ideas. For students, Generative AI is not just a technological trend; it is becoming an essential learning companion that can enhance creativity, understanding, and productivity.

Generative AI helps students learn in a more **interactive and personalized manner**. Every student has a different learning pace and style. Some understand concepts quickly, while others need repeated explanations. With AI tools, students can ask questions multiple times, receive simplified explanations, and explore topics in greater depth without hesitation. This reduces fear and encourages curiosity, which is the foundation of meaningful learning.

Another important benefit is that Generative AI **improves creativity and innovation**. Traditionally, students depended mainly on textbooks for content. Today, they can use AI to generate ideas for essays, projects, presentations, and models. For example, a student preparing a science project can use AI to explore possible topics, understand real-life applications, and design better presentations. This does not replace the student's thinking; rather, it acts as a catalyst that expands imagination and encourages experimentation.

Generative AI also supports the development of **essential 21st-century skills** such as critical thinking, problem-solving, and digital literacy. When students interact with AI tools, they learn how to ask meaningful questions (prompting), evaluate responses, verify facts, and refine their understanding. These skills are extremely important in today's information-rich world where the ability to analyze and filter information is as important as acquiring it.

In addition, Generative AI can be a powerful **academic support system**. Students can use it to summarize long chapters, generate practice questions, understand coding logic, learn new languages, and clarify difficult concepts in subjects like Mathematics, Science, and Computer Studies. For students who may not always have access to additional coaching, AI can act as a readily available learning assistant anytime and anywhere.

However, it is equally important to emphasize **responsible and ethical use** of Generative AI. Students must understand that AI is a helper, not a substitute for their own effort. Blindly copying AI-generated content can lead to plagiarism and hinder real learning. Teachers play a crucial role in guiding students to use AI for understanding concepts, brainstorming ideas, and improving their work—not for avoiding hard work.

Furthermore, exposure to Generative AI prepares students for **future careers**. Many industries—including education, healthcare, business, design, and software development—are increasingly integrating AI into their workflows. Early familiarity with AI tools gives students confidence and prepares them to adapt to future technological changes.

In conclusion, Generative AI has immense potential to transform the way students learn, create, and think. When used wisely, it can make education more engaging, personalized, and effective. The goal should not be to replace traditional learning methods but to enhance them with intelligent tools. By encouraging responsible use, schools can empower students to become curious learners, creative thinkers, and responsible digital citizens ready for the future.

বাংলা

মানসিক সুস্থতা

মানুষের সুস্থ জীবনের জন্য যেমন শারীরিক স্বাস্থ্য অপরিহার্য, তেমনি মানসিক সুস্থতাও সমান গুরুত্বপূর্ণ। মানসিক সুস্থতা বা Mental Fitness বলতে বোঝায়—চাপ, দুশ্চিন্তা ও প্রতিকূল পরিস্থিতির মধ্যেও নিজের আবেগ, চিন্তা ও আচরণকে নিয়ন্ত্রণে রাখতে পারা।

বর্তমান প্রতিযোগিতামূলক জীবনে পড়াশোনা, কাজের চাপ, সামাজিক প্রত্যাশা ও ভবিষ্যৎ ভাবনা আমাদের মনে নানা ধরনের চাপ সৃষ্টি করে। এই চাপ যদি নিয়মিতভাবে জমতে থাকে, তবে তা হতাশা, উদ্বেগ ও আত্মবিশ্বাসের অভাবে পরিণত হতে পারে। তাই মানসিক সুস্থতা বজায় রাখা অত্যন্ত জরুরি।

নিয়মিত ব্যায়াম, যোগাভ্যাস ও ধ্যান মানসিক শান্তি বজায় রাখতে সাহায্য করে। পর্যাপ্ত ঘুম, সুস্বাদু খাদ্য ও ইতিবাচক চিন্তাভাবনাও মানসিক শক্তি বৃদ্ধি করে। এছাড়া পরিবার ও বন্ধুদের সঙ্গে সময় কাটানো, বই পড়া এবং নিজের অনুভূতি অন্যের সঙ্গে ভাগ করে নেওয়া মানসিক চাপ কমাতে সহায়ক।

সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ বিষয় হলো—নিজেকে ভালোবাসা ও নিজের সীমাবদ্ধতাকে মেনে নেওয়া। সমস্যা হলে সাহায্য চাইতে সংকোচ না করাই মানসিক সুস্থতার পরিচয়। সুস্থ মনই সুস্থ ও সফল জীবনের চাবিকাঠি।

- WHO (World Health Organization) অনুযায়ী, মানসিক স্বাস্থ্য হলো এমন একটি অবস্থা যেখানে ব্যক্তি নিজের সক্ষমতা উপলব্ধি করতে পারে এবং জীবনের স্বাভাবিক চাপ মোকাবিলা করতে পারে।
- গবেষণায় দেখা গেছে, নিয়মিত শারীরিক ব্যায়াম ৩০-৪০% পর্যন্ত মানসিক চাপ কমাতে সাহায্য করে।
- ধ্যান ও মাইন্ডফুলনেস মস্তিষ্কের stress hormone (cortisol) কমায় এবং মনোযোগ বৃদ্ধি করে।
- কিশোর-কিশোরীদের ক্ষেত্রে মানসিক সুস্থতা পড়াশোনার ফলাফল ও আচরণগত বিকাশে সরাসরি প্রভাব ফেলে।
- সামাজিক সংযোগ (social bonding) মানসিক স্বাস্থ্যের অন্যতম শক্তিশালী রক্ষাকবচ।

Mr. Brijesh Bhattacharya
TGT (English)

পরীক্ষা চলাকালীন মানসিক চাপ কমানোর উপায়

পরীক্ষা ছাত্রজীবনের একটি গুরুত্বপূর্ণ অংশ। পরীক্ষার মাধ্যমে ছাত্রছাত্রীদের শেখার অগ্রগতি ও বোঝাপড়ার মূল্যায়ন করা হয়। কিন্তু বর্তমান সময়ে দেখা যায়, অনেক ছাত্রছাত্রী পরীক্ষার সময় অতিরিক্ত মানসিক চাপে ভোগে। এই চাপ তাদের পড়াশোনার ওপর যেমন প্রভাব ফেলে, তেমনি শরীর ও মনের ক্ষতিও করে। তাই পরীক্ষার সময় মানসিক চাপ কমানো খুবই প্রয়োজন।

প্রথমত, সঠিক পরিকল্পনা মানসিক চাপ কমানোর সবচেয়ে কার্যকর উপায়। পরীক্ষার অনেক আগে থেকেই পড়াশোনার একটি সময়সূচি তৈরি করা উচিত। প্রতিদিন অল্প অল্প করে পড়লে শেষ মুহূর্তের চাপ অনেকটাই কমে যায়। পড়ার সঙ্গে সঙ্গে গুরুত্বপূর্ণ বিষয়গুলো নোট করে রাখলে পুনরাবৃত্তি করাও সহজ হয়।

দ্বিতীয়ত, পর্যাপ্ত ঘুম ও বিশ্রাম খুব জরুরি। অনেক ছাত্রছাত্রী মনে করে রাত জেগে পড়লে ভালো ফল হবে, কিন্তু আসলে এতে শরীর ক্লান্ত হয় এবং মনোযোগ কমে যায়। প্রতিদিন অন্তত ৭-৮ ঘণ্টা ঘুম ছাত্রদের মানসিক শান্তি ও স্মৃতিশক্তি বাড়াতে সাহায্য করে।

তৃতীয়ত, সুস্থ জীবনযাপন মানসিক চাপ কমাতে বড় ভূমিকা রাখে। পুষ্টিকর খাবার খাওয়া, পর্যাপ্ত জল পান করা এবং নিয়মিত হালকা ব্যায়াম বা যোগব্যায়াম করলে মন ভালো থাকে। সকালে একটু হাঁটা বা গভীর শ্বাস-প্রশ্বাসের অভ্যাস মনকে শান্ত করে।

চতুর্থত, নিজের ওপর বিশ্বাস রাখা খুব গুরুত্বপূর্ণ। অন্যের সঙ্গে নিজেকে তুলনা করলে হতাশা বাড়ে। প্রত্যেক ছাত্রের শেখার ক্ষমতা আলাদা। নিজের প্রস্তুতির ওপর ভরসা রাখলে ভয় অনেকটাই কমে যায়। ভুল হলে সেটিকে শেখার সুযোগ হিসেবে নেওয়া উচিত।

সবশেষে, অভিভাবক ও শিক্ষকদের সহযোগিতা ছাত্রদের মানসিক চাপ কমাতে সাহায্য করে। সমস্যার কথা গোপন না রেখে বাবা-মা বা শিক্ষকের সঙ্গে আলোচনা করলে সমাধান সহজ হয়। ভালো ফলের পাশাপাশি মানসিক সুস্থতাও যে সমান গুরুত্বপূর্ণ—এ কথা আমাদের মনে রাখা দরকার।

পরিশেষে বলা যায়, পরীক্ষা জীবনের শেষ লক্ষ্য নয়, বরং শেখার একটি ধাপ মাত্র। শান্ত মন ও আত্মবিশ্বাস নিয়ে পরীক্ষা দিলে সাফল্য অবশ্যই আসবে।

Mr. Kaushik Mazumdar
Computer Instructor

প্রকৃতির স্নিগ্ধ ডাকে

প্রকৃতি আমাদের সবার প্রিয় বন্ধু,
সবুজ গাছেরা দেয় শীতল ছায়া।
নীল আকাশে ভাসে সাদা মেঘ,
মন ভরে যায় তার মধুর মায়া।

সকালের রোদে সোনালি আলো,
পাখিরা গায় মিষ্টি গান।
নদীর জলে ঝিলমিল হাসি,
শুনলে জুড়ায় ক্লান্ত প্রাণ।

ফুলের বনে রঙের খেলা,
প্রজাপতি উড়ে ডানা মেলে।
শিশির ভেজা ঘাসের গন্ধ,
সকালের হাওয়া আসে বয়ে ধীরে।

পাহাড় ডাকে নীরব সুরে,
বনের মাঝে শান্তি ঘুমায়।
প্রকৃতির কোলে বসে থাকলে,
সব দুঃখ যেন দূরে হারায়।

তাই আমরা রাখি প্রকৃতিকে ভালো,
গাছ লাগাই যত্ন করে।
পরিষ্কার রাখি নদী আর পথ,
সবুজ পৃথিবী গড়ি মিলেমিশে ঘরে।

Ms. Lavani Bhattacharya
PGT (Geography)

দুই ভুয়ো চিকিৎসক

ছোট গ্রাম শ্যামপুর। গ্রামে একটি মাত্র স্বাস্থ্যকেন্দ্র, সেটিও বেশিরভাগ সময় বন্ধ থাকে। তাই গ্রামের মানুষ অসুখ-বিসুখ হলে সাধারণত কাছের বাজারের দুই “ডাক্তার”-এর কাছেই যায়। তাদের নাম ডা. শিবু ও ডা. মিন্টু। দু’জনেই নিজেদের বড় বড় নামের ডিগ্রি বোর্ডে লিখে রেখেছে—MBBS, MD ইত্যাদি। কিন্তু আসলে তারা দু’জনেই ভুয়ো ডাক্তার।

ডা. শিবু আগে ছিল এক ওষুধের দোকানের সহকারী। কিছু ওষুধের নাম মুখস্থ করে সে নিজেকে ডাক্তার বলে পরিচয় দিতে শুরু করে। অন্যদিকে ডা. মিন্টু আগে কাজ করত একটি ক্লিনিকে ওয়ার্ডবয়ের কাজ করে। ইনজেকশন দেওয়া আর রক্তচাপ মাপা সে শিখেছিল সেখান থেকেই। দু’জনেই গ্রামবাসীর অজ্ঞতার সুযোগ নিয়ে ভালোই রোজগার করছিল।

একদিন গ্রামের স্কুলশিক্ষক অনিরুদ্ধবাবুর ছেলের হঠাৎ খুব জ্বর আসে। শরীর কাঁপতে থাকে, বমিও শুরু হয়। অনিরুদ্ধবাবু প্রথমে ডা. শিবুর কাছে নিয়ে যান। শিবু না পরীক্ষা করেই কিছু ওষুধ লিখে দেয়। কিন্তু তাতে অবস্থার উন্নতি না হয়ে বরং ছেলেটির অবস্থা আরও খারাপ হয়।

ভয়ে অনিরুদ্ধবাবু তখন ডা. মিন্টুর কাছে যান। মিন্টু একেবারে না বুঝেই একটি ইনজেকশন দেয়। ইনজেকশনের পর ছেলেটি অজ্ঞান হয়ে পড়ে। তখন গ্রামের মানুষ ভয় পেয়ে যায়। সবাই মিলে ছেলেটিকে তড়িঘড়ি জেলা হাসপাতালে নিয়ে যায়।

হাসপাতালে প্রকৃত ডাক্তাররা পরীক্ষা করে জানান, ভুল চিকিৎসার কারণে ছেলেটির অবস্থা গুরুতর হয়ে উঠেছে। সৌভাগ্যবশত সময়মতো চিকিৎসা পাওয়ায় ছেলেটি ধীরে ধীরে সুস্থ হয়ে ওঠে।

ঘটনাটি জানাজানি হতেই গ্রামের মানুষ সচেতন হয়। তারা পুলিশে অভিযোগ করে। তদন্তে ধরা পড়ে, শিবু ও মিন্টুর কারওই কোনও চিকিৎসা ডিগ্রি নেই। দু’জনকেই গ্রেপ্তার করা হয়।

এই ঘটনার পর গ্রামে একটি সচেতনতা সভা হয়। সবাই শিখে নেয়—চিকিৎসার ক্ষেত্রে অজ্ঞতা মারাত্মক ক্ষতির কারণ হতে পারে। সত্যিকারের ডাক্তার চেনা এবং ভুয়ো চিকিৎসকদের থেকে দূরে থাকা যে কতটা জরুরি, তা শ্যামপুর গ্রামের মানুষ কখনও ভুলবে না।

Translation

Sr. No	Word in Bengali (বাংলা)	Word in Hindi (हिंदी)	Word in English
1	জল	पानी	Water
2	আগুন	आग	Fire
3	আকাশ	आकाश	Sky
4	মাটি	मिट्टी	Soil
5	বাতাস	हवा	Air
6	সূর্য	सूर्य	Sun
7	চাঁদ	चाँद	Moon
8	ফুল	फूल	Flower
9	গাছ	पेड़	Tree
10	বই	किताब	Book
11	বন্ধু	मित्र	Friend
12	ঘর	घर	House
13	রাস্তা	सड़क	Road
14	খাবার	भोजन	Food
15	নদী	नदी	River

Drawings of our students:



Anjali Kumari VI A



Ansh Kumar Singh VI B



Naman Kr Sharma VI B



Ankush Raj VI A



Naman Pandit XI B



Kumari Soni XII B



Ansh Kumar Singh VI B



Pragya Bharti V B



Jaya Bharti VI A



ASHWINI KUMAR



SATYAM KUMAR



SHIRATH SINGH

SACHIN KUMAR

CLASS-II B



DHIMOH CHAKRABORTY
CLASS- III B



HARSH KUMAR NIGAM
CLASS- IX B



DIPAK KUMAR SHAW
CLASS- VIII B



SANGEET
CLASS-III B



HARSHITA PRASAD
CLASS- III A

CLASS-II B



AARAV GUPTA
CLASS- III A



SATYAM KUMAR
CLASS- VI A



AARUSHI SHARMA
CLASS- VII A



PARIDHI KUMARI
CLASS- IV A



PRAGYA BHARTI
CLASS- II B

CLASS-II B



ANKITA
CLASS- X B



ADRIJA SEN
CLASS- VI B



KRITIKA RAJ
CLASS- IV A



KAUSHAL MANDAL
CLASS- VB



ABHRANIL MANDAL
CLASS- III A

CLASS-II B



SHATAKSHI SINGH
CLASS- IX B



ARNAB SHARMA
CLASS- VI A



AARUSHI SHARMA
CLASS- VII A



SUPRIYA
CLASS-V B



SANDEEP KUMAR
CLASS- XII A

पी एम श्री केंद्रीय विद्यालय चित्तूरंजन



विद्यालय परिवार